Nai Dunia, 04th May 2022, Page – 02

आइआइटी में बनेगी अटल टिंकरिंग लैब

दौरा ● केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा– राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार हो विकास

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मंगलवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में थे। उन्होंने आइआइटी परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय का निरीक्षण किया और बच्चों से मुलाकात की। बच्चों ने कई कलाओं की प्रस्तुति दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक आइआइटी इंदौर को बेंचमार्क स्थापित करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार संस्थान का विकास और सुविधाएं जुटाए जाने के लिए उन्होंने प्रोफेसरों से इसके लिए योजना बनाने की अपील की। मंत्री को बताया गया कि संस्थान में अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना की जा रही है।

आधुनिक खेल सुविधाओं की हुई शुरुआत : आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी और केंद्रीय मंत्री के बीच कई मुद्दों पर चर्चा भी हुई। प्रधान ने संस्थान की प्रगति की सराहना की और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बहुविषयक शैक्षिक दृष्टिकोण को जारी रखने का आग्रह किया। आइआइटी परिसर में हाल ही में 4257 वर्ग मीटर के क्षेत्र में तैयार हुए इंडोर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का भी उद्घाटन किया। इसमें छह बैंडमिंटन कोर्ट, दो बास्केटबाल कोर्ट, 580 की क्षमता वाली इंडोर गैलरी, जिम, तीन स्क्वैश कोर्ट और 288 क्षमता की दर्शक दीर्घा के साथ स्विमिंग पूल है। दूसरे चरण के तहत आउटडोर वालीबाल और बास्केटबाल कोर्ट, एथलेटिक्स ट्रैक, फुटबाल और हाकी मैदान का भी निर्माण किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने संस्थान के शासी निकाय के अध्यक्ष, डीन और कुलसचिव के साथ चर्चा कर संस्थान की उपलब्धियों, दृष्टि दस्तावेज, योजनाओं और बाधाओं पर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने मंत्री के समक्ष मौलिक और वैज्ञानिक अनुसंधान की अपनी मूल शक्ति का प्रदर्शन किया। उन्हें संस्थान द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के बारे में बताया। इसमें शीर्ष राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) रैंकिंग को पहले दस संस्थान में लाना है। संस्थान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को सीखने के अनुभव को बढ़ाने की योजना के तहत अटल टिंकरिंग लैब और मेकर्स स्पेस की स्थापना की जाएगी। अधिकारियों ने पिरामिड के निचले हिस्से में लोगों के सामने आने वाली कठिनाइयों का समाधान करने के लिए उन्नत तकनीकों को अपनाने के लिए सामाजिक संपर्क कार्यक्रमों के बारे में भी केंद्रीय मंत्री को बताया। संस्थान शोध के कार्यों को बढ़ाने के लिए ट्रांसलेशनल रिसर्च इकोसिस्टम भी स्थापित करेगा।

आइआइटी परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों से मुलाकात करते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान। ● सौ. संस्थान

लैब का उपयोग कर सकेंगे प्रदेश के अन्य शिक्षण संस्थान

इंदौर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर की आधुनिक लैब और सुविधाओं का उपयोग अब प्रदेश के अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी भी कर सकेंगे। इसे लेकर आइआइटी इंदौर और प्रदेश के तकनीकी शिक्षा निदेशालय के बीच समझौता हुआ है। आइआइटी इंदौर के पीआरओ सुनील कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले इस संबंध में भोपाल में आइआइटी इंदौर के अधिकारियों और राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच बैठक हुई थी। इस दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसका मकसद सरकारी और गैर सरकारी इंजीनियरिंग कालेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान को बढ़ाना है। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक लैब में काम करने का अनुभव मिलेगा और शोध कार्य में भी आइआइटी कालेजों की मदद करेगा।